पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सज्जनता की प्रतिमूर्ति थे - राज्यपाल

लखनऊ: 11 फरवरी, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 49वीं पुण्य तिथि पर के0के0सी0 स्थित दीनदयाल वाटिका जाकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय सज्जनता की प्रतिमूर्ति थे। उन्हें भारतीय परम्परा के प्रतीक एवं राष्ट्रवादी विचारों के लिये याद किया जाता है। पंडित दीनदयाल ने भारत की राजनीति को नयी दिशा देकर देश को स्पष्ट विचार और शुद्ध आचार दिया। वे एकात्मता के विचार पर बल देते थे इसलिये उन्होंने एकात्म मानववाद का संदेश दिया। राजनीति के प्रति उनका मत था कि राजनीति का लक्ष्य अंतिम पायदान पर खडे व्यक्ति का विकास यानि अंत्योदय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल ने अपने व्यवहार और आचार के माध्यम से लोगों के सामने आदर्श प्रस्तुत किया।

श्री नाईक ने कहा कि पंडित दीनदयाल कहते थे कि मतदान केवल कागज की पर्ची पर मोहर लगाना नहीं बल्कि लोकाज्ञा है। राज्यपाल ने कहा कि सभी नागरिकों को मतदान करना चाहिए ताकि योग्य प्रतिनिधि एवं योग्य सरकार चुनी जा सकें। गत विधान सभा और लोक सभा के चुनाव में प्रदेश में लगभग 59 प्रतिशत मतदान हुआ था। गत सप्ताह हुये विधान सभा चुनाव में गोवा में 83 प्रतिशत और पंजाब में 79 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्यपाल ने इच्छा व्यक्त की कि उत्तर प्रदेश में इससे भी ज्यादा मतदान हो। मतदान शांतिपूर्ण एवं आचार संहिता के निर्धारित नियमों के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन मतदान केन्द्रों पर शत-प्रतिशत मतदान होगा उनका वे राजभवन में सम्मानित करेंगे।

अंजुम/ललित/राजभवन (51/8)

उपाध्याय
की प्रतिमा का अनावरण
श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी
सांसद एवं पूर्व प्रधान मंत्री, भारत सरकार
के कर कमलों द्वारा
श्री कल्याण सिंह जी
मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश
की अध्यक्षता में एवं
श्री लाल जी टण्डन
की उपस्थिति में
जी के जन्म दिवस के अवसर पर
25 सितम्बर 1997 को सम्पन्न हुआ।
जे. एस. मिश्र